पत्रांक 15 / सी 3–18 / 2015 – 736

शिक्षा विभाग, बिहार, पटना

प्रेषक,

शिवेश रंजन
विशेष कार्य पदाधिकारी।

सेवा में,

कुलसचिव,
राज्य के सभी परंपरागत विश्वविद्यालय।

पटना, दिनांक 08/4/ 2015

विषयः– श्री संजय कुमार सिंह– 02, स0वि0प0 द्वारा बिहार विधान परिषद् के 179वें सत्र में पूछा जाने वाला अल्पसूचित प्रश्न संख्या –ई 11 ।

महाशय,

उपर्युक्त विषयांकित बिहार विधान परिषद् सचिवालय से प्राप्त प्रश्न की प्रति संलग्न करते हुए कहना है कि प्रश्न में वर्णित तथ्यों के आलोक में कंडिका क एवं ग के आलोक में प्रश्नोत्तर सामग्री एवं यथा आवश्यक पूरक सामग्री विशेष दूत / फैक्स के माध्यम से 24 घंटे के अंदर विभाग में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

विश्वासभाजन,
(शिवेश रंजन) 8/4/15
विशेष कार्य पदाधिकारी

बिहार विधान परिषद् के 179 वें सत्र के लिए श्री संजय कुमार सिंह–2, स0वि0प0 से अल्पसूचित प्रश्न प्राप्त :–ई0–11		माननीय मंत्री, शिक्षा विभाग द्वारा दिया जाने वाला उत्तर
प्रश्न		उत्तर
(क)	क्या यह सही है कि विश्वविद्यालय द्वारा चतुर्थ चरण के सभी शिक्षकों को माननीय उच्चतम न्यायालय के न्याय निर्णय के आलोक में सेवा का नियमतिकरण किया जा चुका है एवं नियमतिकरण की तिथि से कालबद्ध प्रोन्नति योजना के तहत् एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर प्रोन्नति दी गई है;	विश्वविद्यालय का विषय है।
(ख)	क्या यह सही है कि विश्वविद्यालय परिनियमित वेतन निर्धारण समिति द्वारा निर्धारित वेतन पा रहे शिक्षकों का माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्याय निर्णय के विरूद्ध सेवा के नियमतिकरण की तिथि को मान्यता नहीं देते हुए वेतन सत्यापन कोषांग द्वारा इन शिक्षकों को एसोसिएट प्रोफेसर से असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर पदावनत कर वेतन निर्धारण किया गया है तदनुसार वेतन भुगतान का आदेश विश्वविद्यालय को भेजा गया है;	वेतन सत्यापन कोषांग द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय एवं बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1976 के प्रावधानों के आलोक में कारवाई की गयी है।
(ग)	क्या यह सही है कि विश्वविद्यालय द्वारा चतुर्थ चरण के सभी शिक्षकों को माननीय उच्चतम न्यायालय के न्याय निर्णय के आलोक में सेवा का नियमतिकरण किया जा चुका है साथ ही सेवा के नियमतिकरण की तिथि से कालबद्ध प्रोन्नति योजना के तहत् एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर प्रोन्नति दी गई;	विश्वविद्यालय का विषय है।
(घ)	यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार खण्ड में उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने का विचार रखती है?	ऊपर के खण्डों में स्थिति स्पष्ट की जा चुकी है।